

अरपा पैरी के घर छत्तीसगढ़

विज्ञान

एनसीएल की ड्रिलिंग मंजूरी से छत्तीसगढ़ का हीरा खनन के करीब पहुंचना

नेशनल कोल लिमिटेड (एनसीएल) ने छत्तीसगढ़ के बालोदा-बेलमुंडी में संभावित हीरा खनन के लिए एक महत्वपूर्ण ड्रिलिंग चरण को मंजूरी दे दी है, जो संसाधन निष्कर्षण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम का संकेत देता है।

नेशनल कोल लिमिटेड (एनसीएल) से मंजूरी मिलने के बाद छत्तीसगढ़ अपने हीरा खनन की क्षमता को साकार करने की दिशा में एक कदम और आगे बढ़ गया है। एनसीएल ने बालोदा-बेलमुंडी क्षेत्र के लिए एक महत्वपूर्ण ड्रिलिंग चरण को मंजूरी दे दी है, जो संभावित हीरा भंडारों के लिए पहचाना गया क्षेत्र है। यह विकास राज्य के भीतर मूल्यवान खनिजों की खोज के प्रयासों में एक महत्वपूर्ण प्रगति का प्रतीक है। ड्रिलिंग चरण की शुरुआत से बालोदा-बेलमुंडी में हीरा निकालने की व्यवहार्यता और पैमाने के संबंध में महत्वपूर्ण डेटा प्राप्त होने की उम्मीद है। हालांकि यह मंजूरी प्रगति का संकेत देती है, लेकिन हीरा भंडार की पूरी सीमा और संभावित खनन कार्यों की समय-सीमा इस व्यापक ड्रिलिंग प्रक्रिया के परिणामों से निर्धारित होगी।

स्रोत: ABP Live English



चित्र: Flickr (CC)

जैक्सन

छत्तीसगढ़ में सॉफ्टवेयर इंजीनियरिंग छात्र की डूबने से मौत



चित्र: Wikimedia Commons / Dadibaba

छत्तीसगढ़ में एक सॉफ्टवेयर इंजीनियरिंग छात्र की डूबने की घटना में मृत्यु हो गई है। छात्र कथित तौर पर एक जल निकास में था जब यह दुखद घटना हुई। अधिकारी डूबने की परिस्थितियों की जांच कर रहे हैं। छात्र की पहचान और छत्तीसगढ़ के भीतर सटीक स्थान के संबंध में आगे का विवरण जांच आगे बढ़ने के साथ जारी होने की उम्मीद है। यह दुर्भाग्यपूर्ण घटना जल निकासों से जुड़े खतरों को उजागर करती है और सुरक्षा सावधानियों की आवश्यकता की एक गंभीर याद दिलाती है।

स्रोत: News Riveting

स्वास्थ्य

छत्तीसगढ़ के स्वास्थ्य अभियान से सुकमा के कुपोषित बच्चों का पुनर्वास



चित्र: Wikimedia Commons / P Sheshadri

छत्तीसगढ़ के सुदूर सुकमा जिले में, मुख्यमंत्री स्वास्थ्य बस्तर अभियान बाल कुपोषण से निपटने में महत्वपूर्ण प्रगति कर रहा है। यह पहल कुपोषण से पीड़ित छोटे बच्चों के पुनर्वास पर केंद्रित है। यह कार्यक्रम क्षेत्र के कमजोर बच्चों को लक्षित करता है, उन्हें अपने स्वास्थ्य संबंधी चुनौतियों से उबरने के लिए आवश्यक देखभाल और सहायता प्रदान करता है। सुकमा के दुर्गम इलाकों में प्रयास केंद्रित हैं, जिसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि दूरदराज के इलाकों के बच्चों को भी आवश्यक स्वास्थ्य हस्तक्षेप मिले। मुख्यमंत्री स्वास्थ्य बस्तर अभियान के माध्यम से, राज्य सरकार बस्तर क्षेत्र में बच्चों के स्वास्थ्य और कल्याण में सुधार के लिए...

स्रोत: ANI News

विज्ञापन

राजनीति

छत्तीसगढ़ की राज्यपाल ने दिल्ली में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से की मुलाकात

छत्तीसगढ़ की राज्यपाल विश्व भूषण हरिचंदन ने राष्ट्रीय राजधानी नई दिल्ली में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के साथ एक बैठक की। यह मुलाकात हाल ही में हुई, हालांकि सटीक तारीख का उल्लेख नहीं किया गया है। इस उच्च-स्तरीय बैठक के दौरान चर्चा किए गए विशिष्ट विषयों या किसी भी निष्कर्ष के बारे में विवरण तुरंत उपलब्ध नहीं थे। यह बातचीत एक राज्य के राज्यपाल और एक प्रमुख केंद्रीय मंत्री के बीच हुई मुलाकात को दर्शाती है। राज्यपाल हरिचंदन और मंत्री सिंह के बीच हुई बैठक के उद्देश्य या परिणामों के संबंध में आगे की जानकारी की प्रतीक्षा...

स्रोत: Social News XYZ

**प्रेरणादायक
किताब पढ़ना चाहते हैं?**

बंदिनी
इरादों की एक कालजयी यात्रा

डॉ. राजश्री वर्मा

**एक महिला के संघर्ष,
साहस और सफलता
की प्रेरक कहानी**

प्रेरणा आत्मविश्वास संघर्ष सफलता

ORDER YOUR COPY TODAY
www.vermaverse.com

8409170482
★ AVAILABLE ONLINE ★

अपराध

छत्तीसगढ़ के पुरना खार्वे में रहस्यमयी खोज, उठे सवाल

छत्तीसगढ़ के पुरना खार्वे नामक स्थान पर एक अज्ञात खोज हुई है। इस खोज की प्रकृति का खुलासा नहीं किया गया है, लेकिन इसने इसके मूल और निहितार्थों के बारे में काफी रुचि पैदा की है। पुरना खार्वे में कुछ छिपे होने का खुलासा एक संभावित महत्वपूर्ण घटना या वस्तु के प्रकाश में आने का संकेत देता है। द हिंदू स्रोत से तत्काल विवरण की कमी बताती है कि जानकारी अभी भी एकत्र की जा रही है या अभी तक सार्वजनिक रूप से प्रसारित नहीं की गई...

स्रोत: The Hindu

देश

चित्र: Wikimedia Commons / Rhododendrites

छत्तीसगढ़ का अबूझमाड़ बाहरी दुनिया से जुड़ा, नए पुलों से आशा की किरण



छत्तीसगढ़ का अबूझमाड़ क्षेत्र, जिसे ऐतिहासिक रूप से माओवादियों का गढ़ माना जाता रहा है, अब बेहतर कनेक्टिविटी के साथ एक महत्वपूर्ण परिवर्तन का गवाह बन रहा है। नए पुलों का निर्माण इस दुर्गम क्षेत्र को देश के बाकी हिस्सों से फिर से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। इस बुनियादी ढांचे के विकास को क्षेत्र के लंबे समय से चले आ रहे अलगाव से बाहर निकालने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम के रूप में देखा जा रहा है। पुलों से आवश्यक सेवाओं, व्यापार और संचार के लिए आसान पहुंच की सुविधा मिलने की उम्मीद है, जिससे विकास और एकीकरण को बढ़ावा मिलेगा। यह पहल एक बदलाव का प्रतीक है, जो स्थानीय आबादी के लिए 'आशा के पुल' के रूप में कार्य कर रहा है और अबूझमाड़ के लिए पहुंच के एक नए युग का संकेत दे रहा है।

स्रोत: Hindustan Times